प्रकाशनार्थ

पटना, 28 जुलाई। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से समर्थित एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) की ईआईएसीपी केंद्र ने आज उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान (पटना) के साथ वर्तमान में चल रहे वन महोत्सव और विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

ईआईएसीपी समन्वयक डॉ. सुनील कुमार गुप्ता ने प्रकृति के संरक्षण हेतु मिशन लाइफ के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की जानकारी दी। इनमें **"एक पेड़ माँ के नाम" (प्लांट फॉर मदर)** तथा **"कैच द रेन"** अभियानों का नाम उन्होनें लिया । वर्तमान में चल रहा वन महोत्सव भी सरकार के इन्हीं संरक्षण प्रयासों का हिस्सा है । इसे सफल बनाने के लिए कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी 120 शिल्पकारों, जिनमें अधिकतर महिलाएं शामिल थीं, ने संस्थान परिसर में 50 पौधे रोपे। इसके पश्चात डॉ. गुप्ता ने बताया कि पिछले 30 वर्षों में बिहार के परिवेशीय तापमान में किस प्रकार डरावना बदलाव आया है। बिहार की जलवायु में हो रहे इस परिवर्तन के प्रमाण के रूप में उन्होंने कहा कि इस वर्ष जुलाई का महीना असामान्य रूप से गर्म रहा है, जबकि इस दौरान बारिश होनी चाहिए थी। अन्य क्षेत्रों में भारी बारिश वाली एकदम चरम-पर-मौजूद मौसमी घटनाएं देखी जा रही हैं, जबकि बिहार में वर्षा के देवता मानों रूठ गए हैं। 30 वर्ष पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। उन्होंने सभी से यह भी आग्रह किया कि सिंगल-यूज़ प्लास्टिक तथा माइक्रो-प्लास्टिक से पर्यावरण को हो रहे नुकसान की खतरनाक प्रवृत्ति को रोकने के लिए युद्धस्तर पर वृक्षारोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा उठाया गया एक छोटा-सा कदम भी बड़े पैमाने पर लाभकारी प्रभाव में परिवर्तित हो सकता है।

महारथी संस्थान की उद्योग विस्तार अधिकारी (आईईओ) सुश्री पम्मी कुमारी ने भी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्थान के आईईओ श्री जितेंद्र राम तथा संग्रहालय प्रभारी श्री ओमकार मौर्य भी उपस्थित थे। ईआईएसीपी-आद्री के जीआईएस एवं आईटी अधिकारी श्री गुलशन पटेल तथा सूचना अधिकारी श्री मौसम बहार ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की तथा इसका संचालन भी किया।

(अभिषेक प्रसाद)